राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

राजभवन नैनीताल दिनांक 05, जून 2011

उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने आज नैनीताल राजभवन परिसर में वर्षा जल संग्रहण प्रणाली व सौर विद्युत ऊर्जा चालित उपकरणों का उद्घाटन कर पारिस्थितिकी संरक्षण उपायों के एक सम्पूर्ण पैकेज का अनावरण किया।

आज विश्व पर्यावरण दिवस पर राजभवन परिसर में आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा, उनके पति श्री निरंजन आल्वा तथा राज्यपाल के सचिव श्री अशोक पई ने **पदम** तथा राज्य वृक्ष **बुरांश** के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण दिवस प्रकृति के प्रति सम्मान प्रकट करने का दिन है आज हम सबको संकल्प लेना होगा कि सतत् विकास तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए हम अपनी जीवन शैली को पर्यावरण के अनुकूल बनाएं।

इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा प्रतिपादित **''हरित भवन''** की परिकल्पना के अंतर्गत राष्ट्रपति भवन परिसर व देश के सभी राजभवन परिसरों में पर्यावरण अनुकूल प्रणाली के उपयोग पर बल दिया गया है। उन्होंने बताया कि राजभवन नैनीताल में लागू प्रणालियों में अपशिष्ट प्रबंधन, (पत्तों से खाद बनाई जा रही है।) ऊर्जा संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग, वर्षा जल संग्रहण व पारिस्थितिकी तन्त्र का बचाव शामिल है।

राज्यपाल द्वारा आज उद्घाटित वर्षा जल संग्रहण ढांचे में कई नवीनताएं हैं, राज्यपाल ने इसे सिविल अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अनूठी मिसाल बताया। उद्घाटन के पश्चात् अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि राजभवन को इससे जलापूर्ति करने में सहायता मिलेगी विशेषकर ग्रीष्म ऋतु के दौरान जब पर्यटकों की भारी आवाजाही/आवागमन के कारण नैनीताल में जल उपलब्धता की समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। इससे नैनीताल झील से पानी को पंप करने में होने वाली बिजली की भारी खपत से भी छुटकारा मिलेगा। राज्यपाल ने वर्षा जल संग्रहण प्रणाली के विशाल टैंक के निर्माण व राजभवन गोल्फ क्लब के गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की सराहना की।

राज्यपाल ने यह भी बताया कि राजभवन के सम्पूर्ण परिसर को सौर ऊर्जा से संतृप्त किया जा रहा है इसके अंतर्गत सौर ऊर्जा प्रकाश प्रणाली के अनेक संयत्र सम्मिलित हैं इससे बिजली की भारी बचत हो सकेगी।

उद्घाटन के तुरंत बाद संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित मनमोहक प्रस्तुति ''बीट्स ऑफ उत्तराखण्ड'' के तहत विभिन्न सांस्कृतिक दलों द्वारा गढ़वाल एवं कुमायूं की संस्कृतियों से रूबरू कराया गया। महामहिम द्वारा कलाकारों की भूरी–भूरी प्रंशसा की गई।

इस अवसर पर राज्यपाल व उनके पति श्री निरंजन आल्वा, सचिव राज्यपाल श्री अशोक पई, राज्यपाल के विधि परामर्शी श्री ज्ञानेंद्र शर्मा,संस्कृति विभाग की निदेशक सुश्री बीना भट्ट, मुख्य वन संरक्षक श्री सी.सी. पंत सहित श्री कपिल जोशी, श्री पराग मधुकर, श्री बीजूलाल, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों में श्री के.सी. भट्ट, श्री काण्डपाल, श्री राजीव गुरूरानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति तथा पिथौरागढ़ से आये मल्लिकार्जुन स्कूल के बच्चे भी उपस्थित थे।

सूचना अधिकारी श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0–9456590619 टेली फैक्स 05942–235001